

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 11, होशे 12

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

हम होशे के अध्याय 12 को देख रहे हैं, और मेरी पत्नी ने आज शाम कहा कि उसे लगता है कि होशे उबाऊ है। वह सही है। उसने मुझे आश्चर्य किया कि शिक्षक उबाऊ नहीं था, लेकिन जैसा कि मैंने आपको पहले बताया, वास्तव में पुस्तक की कोई रूपरेखा नहीं है।

वह बार-बार एक ही बात को कई तरीकों से दोहरा रहा है, और आज शाम अध्याय 12 में फिर से यही हो रहा है। जैसा कि मैंने पिछली बार कहा था, ज़्यादातर लोग इस बात पर सहमत हैं कि अध्याय 11 की अंतिम आयत अध्याय 12 की पहली आयत होनी चाहिए, और यह हिब्रू में है। यूनानियों ने, जहाँ से हमें छंदबद्धता मिलती है, इसे क्यों बदला, मुझे नहीं पता, लेकिन अध्याय 11 की आयत 12 में, एप्रैम ने मुझे झूठ से घेर लिया है, इस्राएल ने छल से, यहूदा परमेश्वर के विरुद्ध, यहाँ तक कि विश्वासयोग्य पवित्र के विरुद्ध भी अनियंत्रित है।

एप्रैम हवा पर पलता है; वह पूरे दिन पूर्वी हवा का पीछा करता है और झूठ और हिंसा को बढ़ाता है। फिर कविता के उत्तरार्ध में, यह विशेष रूप से अशशूर के साथ संधि और मिस्र के साथ संधि पर ध्यान केंद्रित करता है। जब होशे, अंतिम राजा, सिंहासन पर आया, तो उसने अशशूरियों के साथ एक संधि की, और फिर, अपने शासनकाल के आधे रास्ते में, उसने इसे तोड़ दिया और मिस्र के साथ एक सौदा किया, और यह बहुत अच्छा नहीं हुआ।

लेकिन मैं यहाँ जिस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ, वह यह है कि एप्रैम ने मुझे झूठ से घेर लिया है, इस्राएल ने छल से। वे परमेश्वर के बारे में कौन से झूठ बोल रहे थे जो आज भी प्रचलित हैं? परमेश्वर के बारे में कौन से झूठ बोले जा सकते हैं? ठीक है, वह सज़ा नहीं देगा, और शायद हम यह भी कहें कि वह सज़ा नहीं दे सकता। ठीक है, और क्या? वह मौजूद नहीं है।

अगर कोई ईश्वर है, तो वह कहीं दूर स्वर्ग में है, वह वास्तव में यहाँ नहीं है। और क्या? उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वह अपना वचन नहीं निभाएगा।

डिस्कवरी नामक पुस्तक के बारे में बात की, जिसमें कहा गया है कि 2000 से अब तक लगभग 40 मिलियन लोगों ने चर्च छोड़ दिया है।

क्यों? वे खुद से क्या झूठ बोल रहे हैं? ठीक है, मुझे लगता है कि वह मार्कर खत्म हो रहा है। और क्या? तथ्य यह है कि बहुत सारे नए धर्म और सामान दृश्य में आ गए हैं। ठीक है, हाँ, वह कई में से एक है।

हाँ, हाँ। ठीक है। हाँ, वह ज़रूरी नहीं है, और अगर मुझे उसकी ज़रूरत का अहसास नहीं है, तो कौन परवाह करता है? मैं उसे पाने के लिए सेवा करता हूँ, और वह उत्पादन नहीं कर रहा है।

इसलिए, उसकी सेवा क्यों करें? दुनिया में इतनी बुराई होने के कारण, जाहिर है, वह अच्छा नहीं हो सकता। खैर, हम आगे भी ऐसा ही कह सकते हैं, है न? हाँ। तो, भगवान के बारे में इस तरह के झूठ हमेशा से प्रचलित रहे हैं।

वे एप्रेम तक सीमित नहीं हैं। वह दंड दे सकता है और देगा भी। आह, वह मौजूद है।

मैं गलत था, हाँ। वह मौजूद है। वह मौजूद है।

रेवरेंड डिडल ने रविवार को ईश्वर की गवाही के बारे में एक अच्छा उपदेश दिया। वह हमारे साथ है। और मैंने अपने इसायाह कमेंटरी में कहा है कि इममानुएल, ईश्वर हमारे साथ है, अगर आप उसके साथ हैं तो यह अच्छी खबर है।

अगर आप उसके साथ नहीं हैं, तो भगवान का साक्षी बुरी खबर है क्योंकि वह यहाँ है। आप उसे बाहर नहीं छोड़ सकते। वह समीकरण में एक कारक है, और यदि आप उस कारक को छोड़ देते हैं, तो समीकरण कभी भी संतुलित नहीं होगा।

उन पर भरोसा किया जा सकता है, और हम में से कई लोग इस बात की गवाही दे सकते हैं कि वे भरोसेमंद हैं। वे कई लोगों में से एक नहीं हैं। वे एकमात्र और एकमात्र हैं।

वह बहुत प्रासंगिक हैं। मुद्दा हमारी धारणा का है। वह नियंत्रण में हैं।

वह उदासीन नहीं है। वह परवाह करता है। वह बहुत ज़रूरी है।

वह अच्छा है, और वह एलियन नहीं है। आज हम जो कहेंगे वह यह है कि उसे साबित नहीं किया जा सकता। उह-हह, बिल्कुल, बिल्कुल।

उसे तौला और मापा नहीं जा सकता इसलिए उसका अस्तित्व नहीं है। जब तक आप किसी चीज़ को तौल और माप नहीं सकते, तब तक वह वास्तविक नहीं है। और फिर, मुझे लगता है कि प्राचीन सुमेरियन बस हम पर हंस रहे हैं।

उन्होंने यह पता लगा लिया कि इस ब्रह्मांड में आत्माएं हैं, और आप उन्हें अनदेखा करके अपने ही नुकसान में हैं। हमने कहा है, नहीं, नहीं, कोई आध्यात्मिक वास्तविकता नहीं है। केवल भौतिक, शारीरिक वास्तविकता है। और प्राचीन सुमेरियन कह रहे हैं, आप इसे जल्द या बाद में समझ लेंगे।

आप समझ जाएँगे। ठीक है, आयत दो से छः में, हमारे पास याकूब के बारे में एक कहानी है। उसे यहूदा के खिलाफ़ एक आरोप लाना है।

वह याकूब को उसके कामों के अनुसार दण्ड देगा और उसके कामों के अनुसार उसे प्रतिफल देगा। अब, ये क्रम में नहीं हैं, लेकिन ये यहाँ हैं। जब हम याकूब के जीवन को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि यह धोखे और उसके परिणामों से शुरू होता है।

और मैं हमेशा उस दृश्य के बारे में सोचता रहा हूँ जब जैकब ने मूर्खतापूर्वक सोचा था कि अंधे आदमी के कान अच्छे नहीं होते। नमस्ते, पिताजी, मैं एसाव हूँ। जैकब जैसा लगता है।

क्या तुम सच में एसाव हो? और वह उससे तीन बार झूठ बुलवाता है, और फिर परिणाम भुगतता है। जब एसाव कहता है, भाई, जब बूढ़ा आदमी मरेगा, तो यहाँ दो अंतिम संस्कार होंगे। उफ़।

और इसलिए, वह भागता है। वह बेथेल की ओर भागता है, जहाँ परमेश्वर अब्राहम और इसहाक से किए गए अपने सभी वादों को दोहराता है। अविश्वसनीय।

अविश्वसनीय। जैकब बहुत भाग्यशाली है कि मैं उस समय भगवान नहीं था। तुम खुद को क्या समझते हो? तुम्हें सीधा होना था, दोस्त।

नहीं। यह ज़मीन जिस पर तुम लेटे हो, मैं तुम्हें देता हूँ। तुम्हारे दादा और तुम्हारे पिता से किए गए वादे सब तुम्हारे हैं।

हे भगवान। आप देखिए, भगवान में कोई घमंड नहीं है। और जैकब वाकई भाग्यशाली है कि उस समय मैं उसकी प्रतिक्रिया में भगवान नहीं था।

वह सुबह उठकर कहता है, हे भगवान, भगवान यहाँ थे और मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। भगवान, मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैं क्या करने जा रहा हूँ। अगर तुम अपने वादे पूरे करोगे, तो मैं तुम्हें हिस्सा दूँगा।

उस समय वह राख की तरह हो गया होता। आप भगवान से इस तरह बात नहीं करते। लेकिन सच तो यह है कि भगवान हमें किसी भी तरह से ले जाएगा।

और यह जैकब का अब तक का सबसे अच्छा सौदा था। क्योंकि वह एक ऐसे आदमी से मिलने वाला था जो उससे भी ज़्यादा दुष्ट था, आप इसे लिख सकते हैं।

हमेशा कोई न कोई ज़्यादा चालाक ज़रूर होगा। कोई ज़्यादा ताकतवर होगा, कोई ज़्यादा चालाक होगा। लेकिन 20 सालों तक, जब लाबान याकूब को हराने की कोशिश करता है, तो परमेश्वर अपने वादे पूरे करता है।

हे भगवान! कैसा भगवान है! कैसा भगवान है!

अंततः याकूब को पता चलता है कि उसे अपने पिता के आशीर्वाद की नहीं, बल्कि लाबान के आशीर्वाद की ज़रूरत थी। उसे तो परमेश्वर के आशीर्वाद की ज़रूरत थी।

और वह अद्भुत पंक्ति, मैं तुम्हें तब तक नहीं जाने दूँगा जब तक तुम मुझे आशीर्वाद नहीं देते। भगवान को उस प्रार्थना को नकारना मुश्किल लगता है। अब, कई सालों से, जब मैं जैकब पर उपदेश देता था, तो मैं अपना उपदेश यहीं रोक देता था।

लेकिन वास्तव में, यह कहानी का अंत नहीं है। दिलचस्प बातों में से एक यह है कि, भगवान यहाँ पेनीएल में कहते हैं, भगवान के चेहरे, मैं तुम्हारा नाम बदलने जा रहा हूँ।

और अब तुम्हारा नाम इस्राएल होगा। अंदाज़ा लगाओ? अगले चार अध्यायों में उसे याकूब कहा गया है। एक बार भी इस्राएल नहीं।

हम्म। यह क्या है? वेस्लेयन कई सालों से इसे पवित्रीकरण के रूप में प्रचारित करते आ रहे हैं। मेरा एक दोस्त है जो पवित्रीकरण में विश्वास नहीं करता।

और वह इस बात को बहुत स्पष्ट रूप से कहते हैं। भगवान ने यहाँ अपना स्वभाव नहीं बदला। खैर, मैं इस बारे में इतना निश्चित नहीं हूँ।

लेकिन मुझे यकीन है कि परमेश्वर ने उससे कहा था, अपने पुरखों और अपने रिश्तेदारों के देश में वापस चला जा। वह कहाँ गया? वह शेकेम गया। पेनीएल यहीं यब्बोक नदी के पास है।

और शेकेम यहीं पर है। शेकेम, जो आज नब्लस है, कनानी संस्कृति का केंद्र है। घर यहीं पर है।

हेब्रोन और बेर्शेबा के बीच। यहीं पर अब्राहम और इसहाक ने अपना ज़्यादातर समय बिताया। वह यहाँ क्या कर रहा है? कनानी संस्कृति बहुत ही आकर्षक है।

चर्च हर पीढ़ी में यह साबित करता है। हम उनसे अलग नहीं होना चाहते; हम उनके जैसे बनना चाहते हैं।

हम उनके जैसे दिखना चाहते हैं। हम उनके जैसा सोचना चाहते हैं। हम उनके जैसा जीना चाहते हैं।

और वह वहाँ है। वह वहाँ है। शेकेम में बस गया है।

क्या आप ईश्वर के साथ एक महान अनुभव कर सकते हैं? आशीर्वाद का अनुभव। और ईश्वर ने निश्चित रूप से उसे आशीर्वाद दिया। मुझे लगता है कि इसमें कोई सवाल ही नहीं है।

अगर एसाव 450 हथियारबंद लोगों के साथ उससे मिलने आता, तो वह हाथ मिलाने की योजना नहीं बना रहा था। लेकिन पेनीएल के बाद अगली रात, एसाव उसे भाई कहता है। और याकूब बहुत ही गंभीर बातें कहता है।

तुम्हारा चेहरा देखना भगवान का चेहरा देखने जैसा है। हम्म। लेकिन।

लेकिन जब एसाव ने कहा, चलो, साथ चलते हैं, हम पिताजी से मिलने जाएंगे। उसने कहा, ठीक है, मैं इतनी तेजी से यात्रा नहीं कर सकता।

आप आगे बढ़ें, और मैं बाद में आऊँगा - हाँ, बहुत बाद में। और क्या हुआ? मुझे न्यू लिविंग ट्रांसलेशन बहुत पसंद है।

आपको याद होगा कि कनानी लोग दीना को ले गए थे, जो उनकी इकलौती बेटी थी। साइमन और लेवी उस समस्या का समाधान करते हैं। खैर, हाँ, आप उसे तब तक पा सकते हैं जब तक आप सभी का खतना हो जाए।

और जब वे सभी अशक्त हो जाते हैं, तो साइमन और लेवी अंदर जाते हैं और उन सभी को मार देते हैं। और जैकब कहता है कि तुमने मुझे बदबूदार बना दिया है। हाँ।

हाँ। कनान आपकी सबसे कीमती संपत्ति ले लेगा और आपको बदबूदार छोड़ देगा। और भगवान कहते हैं, ठीक है, ठीक है।

अब, बेतेल वापस जाओ। उस धन्य स्थान पर वापस जाओ, जो अब तक, बेशक, एक मूर्तिपूजक घृणित स्थान में बदल चुका है। लेकिन बेतेल वापस जाओ, जहाँ मैं तुमसे मिला था।

मैं कौन हूँ, इस बारे में अपनी जागरूकता को नवीनीकृत करें, जो कि एक दयालु प्रदाता के रूप में है। और उस बिंदु से, अध्याय 35 से, उसे नियमित रूप से इज़राइल कहा जाता है। कभी-कभी, हमारे पवित्रीकरण को महसूस किया जाना चाहिए।

और कनान के बारे में एक कठिन निर्णय का एहसास हुआ। तो यही कहानी है। अपने गर्भ में, उसने अपने भाई की एड़ी पकड़ ली।

एक इंसान के तौर पर, उसने भगवान से संघर्ष किया। उसने स्वर्गदूत से संघर्ष किया और उसे हरा दिया। वह रोया और उसके अनुग्रह के लिए भीख माँगी।

उसने उसे बेतेल में पाया और वहाँ उससे बात की। सर्वशक्तिमान यहोवा परमेश्वर, यहोवा उसका नाम है। फिर, श्लोक 6. श्लोक 6. तुम्हें अपने परमेश्वर के पास लौटना चाहिए।

प्रेम और न्याय को ध्यान से बनाए रखें और हमेशा अपने परमेश्वर की प्रतीक्षा करें। उस आयत में, परमेश्वर की संतान होने का पूरा चित्र है। यहाँ पाँच शब्द हैं।

पीछे मुड़ो। हिब्रू शब्द है शूव । और यह एक शारीरिक मोड़ और एक आत्मिक मोड़ को संदर्भित करता है।

बस संदर्भ ही आपको बताएगा कि यह क्या है। यहाँ, बहुत स्पष्ट रूप से, होशे इसे शब्दों के खेल में इस्तेमाल कर रहा है। वापस जाएँ।

हाँ। और पीछे मुड़ो। यहीं से सब कुछ शुरू होता है।

प्रथम यूहन्ना। यह मत कहो कि तुम्हें पश्चाताप करने की आवश्यकता नहीं है। यह मत कहो कि तुम्हें पलटने की आवश्यकता नहीं है।

हम में से हर कोई ऐसा करता है। कोई भी धर्मी नहीं है। नहीं, एक भी नहीं।

तो पलटें। और फिर अगला शब्द छिप जाता है। यह क्रिया है शमर ।

पहरा देना। ध्यान से रखना। और पुराने नियम में आज्ञाकारिता के संबंध में इसका नियमित रूप से प्रयोग किया गया है।

यह सिर्फ आज्ञा पालन करना नहीं है , बल्कि आज्ञा पालन करने में सावधानी बरतना है। सिर्फ करना नहीं है, बल्कि करने में सावधानी बरतना है। ध्यान रखें।

अपना ख्याल रखना। मेरे पास NIV है। इसमें लिखा है कि इसे बनाए रखो।

मुझे नहीं लगता कि यह काफी मजबूत है। सावधानी से रखें। सावधानी से रखें।

जो कुछ भी तुम करो, उसे करने की अनुमति मत दो। और वह क्या है जिसे तुम्हें सावधानी से रखना चाहिए? दृढ़ प्रेम - हेसेड।

वह आत्म-त्याग करने वाला, आत्म-त्याग करने वाला प्रेम जो हमेशा अयोग्य होता है। जैसा कि मैंने आपको पहले भी कई बार बताया है, यह पुराने नियम के नए नियम के अगापे के समतुल्य है। यह एक ही अवधारणा है।

दूसरों के लिए खुद को समर्पित कर दो। परमेश्वर की ओर लौटो। हेसेड करने में बहुत, बहुत सावधान रहो।

फिर से, हिब्रू में दो शब्द हैं। एक है अहाव , और वह एक भावना है। वह है स्नेह।

आपको हेसड महसूस नहीं होता। आप हेसड करते हैं। आप अपने बगीचे के लिए हेसड नहीं रख सकते।

आप अपने कुत्ते के लिए ऐसा नहीं कर सकते। लेकिन आप अपने पड़ोसी के लिए ऐसा कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए।

और फिर, हमने कई बार शब्दों के बारे में बात की है। मिशपत। जीवन के लिए ईश्वर का दिव्य आदेश।

इसका अनुवाद अक्सर न्याय या निर्णय के रूप में किया जाता है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, आज न्याय की समस्या इसकी निष्पक्षता है। और अगर आपके पास मुझसे ज़्यादा है तो यह निष्पक्ष नहीं है।

और यही न्याय है। नहीं, यह न्याय नहीं है। नहीं, यह न्याय नहीं है।

जीवन के लिए परमेश्वर का आदेश जिसमें, विशेष रूप से, जो योगदान करने में असमर्थ हैं, उन्हें विशेष देखभाल और ध्यान मिलता है। याद रखें, जैसा कि मैंने आपका ध्यान मीका अध्याय 6, श्लोक 8 की ओर आकर्षित किया है। अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलो। मिशपात करो।

और हेसेड़ से प्यार करो। यह बहुत ही आकर्षक है। हेसेड़ के लिए हार्दिक स्नेह रखो।

बेशक, यह किंग जेम्स परंपरा में प्रेम दया के रूप में आता है। फिर से, जैसा कि मैंने आपको पहले भी कहा है, दया हेसेड़ का गलत अनुवाद नहीं है। आप दस साल की सजा के हकदार हैं और जज आपको पांच साल की सजा दे रहे हैं।

लेकिन यह सिर्फ ठंडी दया से कहीं ज़्यादा है। यह खुद को दूसरों को देना है। और अंत में, हमेशा अपने ईश्वर का इंतज़ार करें।

हिब्रू शब्द कवा , कवा। और जैसा कि मैंने आपको कई बार बताया है, हिब्रू में, जिन शब्दों का शाब्दिक अनुवाद प्रतीक्षा है, वे विश्वास के पर्यायवाची हैं। इसका मतलब है उम्मीद से इंतज़ार करना।

यह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना है। यह प्रत्याशा के साथ प्रतीक्षा करना है। यह क्रिसमस के इंतज़ार जैसा है।

वह आ रहा है। वह मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा। वह मुझे मुक्ति दिलाएगा।

वह मुझे बचाने जा रहा है। वह... लेकिन कई मायनों में, मैं कहता हूँ, विश्वासी का जीवन है। अपने पापपूर्ण आत्म-निर्भरता से मुड़ो।

परमेश्वर के चरित्र के इन गुणों को ध्यानपूर्वक जीएँ। और इस भरोसे के साथ जीएँ कि परमेश्वर निश्चित रूप से अपना वचन पूरा करेगा। इसलिए, श्लोक 5 और 6. याकूब की कहानी के बीच में एक सुंदर छोटा सा अंतराल है।

सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान यहोवा परमेश्वर। यहोवा उसका नाम है। अपने परमेश्वर के पास लौट जाओ।

प्रेम और न्याय का ध्यान रखना। और हमेशा अपने परमेश्वर का इंतज़ार करना। फिर हम वापस लौटेंगे।

जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया है, व्यापारी शब्द में वही व्यंजन हैं जो कनान शब्द में हैं। और इसलिए, यहाँ निश्चित रूप से शब्दों का खेल चल रहा है। कि तुम, याकूब, एक कनानी बन गए हो।

और एक कनानी के रूप में, आप बेईमान तराजू का उपयोग कर रहे हैं। फिर से, मैंने पृष्ठभूमि में उल्लेख किया, पुराने नियम में लगभग छह बार, कुटिल व्यवहार के लिए भाषण का अलंकार बेईमान तराजू है। जैसा कि आप जानते हैं, आप गेहूं का एक बुशल खरीद रहे हैं।

और यह तराजू के इस तरफ है। तराजू के इस तरफ, आप एक वजन रखते हैं जो सिक्कों की एक निश्चित मात्रा के बराबर होता है। ठीक है? मैं आपको उतने सिक्के देता हूँ।

लेकिन यह एक टेढ़ा वजन है। यह बहुत भारी है। और इसलिए, आप व्यक्ति को उसके अनाज के बदले कम दे रहे हैं।

दूसरी ओर, आप खरीद रहे हैं। और फिर, आप उपयोग कर रहे हैं, आप बेच रहे हैं। और अब आप एक ऐसे वजन का उपयोग कर रहे हैं जो बहुत हल्का है।

यह क्या है? ऐसा क्यों है कि भगवान को इसे व्यक्त करने के लिए यह आकृति विशेष रूप से पसंद है? क्योंकि आप उड़ रहे हैं, उफ़, मैं इसे वहाँ इस्तेमाल नहीं कर सकता। यह एक करीबी बात थी। क्योंकि यह मिश्रण की अवहेलना है।

भगवान कहते हैं, मैंने जो दुनिया बनाई है, उसमें 16 औंस हमेशा एक पाउंड के बराबर होता है। मैंने दुनिया को कुछ खास विशेषताओं और प्रकृति के अनुसार बनाया है। एक पाउंड का वजन कभी भी 13 औंस नहीं होगा।

एक पैर कभी भी 11 इंच लंबा नहीं होगा। मैंने दुनिया को एक निश्चित क्रम के अनुसार बनाया है। और आपका काम उस क्रम के अनुसार जीना है।

और हम इससे नफरत करते हैं। हम इससे नफरत करते हैं। हाँ, मुझे पता है।

गति सीमा 55 कहती है, लेकिन मैं खास हूँ। मैं जल्दी में हूँ, और तुम्हारे क्लोड मेरे रास्ते में हैं। ईमानदारी से कहूँ तो, मुझे अंतरराज्यीय राजमार्ग पर गाड़ी चलाना अधिक से अधिक डरावना लगता है।

जो लोग बिलकुल विचारहीन हैं, मेरे बारे में नहीं, बल्कि भौतिकी के बारे में। पुराने नियम में भी यही है, यहाँ एक उदाहरण है, लोग सोचते हैं कि वे वास्तविकता को अपने पक्ष में बदल सकते हैं। यह काम नहीं करेगा।

अंत में, तराजू संतुलित होने जा रहा है। अब, यह दिलचस्प है। मिस्र में, अंतिम निर्णय पर, एक तराजू है, और इस तरफ, मैं इस आंकड़े का उपयोग करूँगा; उनके पास एक और आंकड़ा है।

लेकिन इस तरफ़ मृत व्यक्ति का दिल है। इस तरफ़ सत्य का पंख है। अगर आपका दिल पंख से भी भारी है, तो यहाँ एक राक्षस बैठा है जो आपको खाने के लिए इंतज़ार कर रहा है।

यदि सत्य को देखते हुए भी आपका हृदय पाप और अधर्म से भरा हुआ है। अब आप कहेंगे, वाह, क्या वे बाइबल जानते थे? नहीं। लेकिन वे इतने समझदार थे कि वे समझ गए कि सृष्टि कैसे काम करती है।

बाइबल में कई कहावतें मिस्रियों की कहावतों से मिलती-जुलती हैं। खैर, भगवान बहुत किरपायती हैं। अगर लोग इतने समझदार हैं कि वे समझ सकें कि दुनिया कैसे काम करती है, तो वे इसका इस्तेमाल करेंगे।

और इसलिए, यह यहाँ है। इसलिए, अपने बेईमान तराजू से, मैंने खुद को अमीर बना लिया है। एप्रेम घमंड करता है।

मैं बहुत अमीर हूँ। मैं अमीर बन गया हूँ। अब देखो आगे क्या होता है।

मैं अपनी सारी दौलत देकर जज को खरीद सकता हूँ। वे मुझमें कोई अधर्म या पाप नहीं पाएँगे। खैर, यह तो नहीं बदला है, है न? अब मैं चाहता हूँ कि आप उत्पत्ति अध्याय 32 से इस अंश को देखें।

याकूब अपने घर जा रहा है। बीस साल पहले, एसाव ने अपने लाल चेहरे के साथ कहा था कि यहाँ दो अंतिम संस्कार होने वाले हैं। तो, वह यहाँ आ रहा है।

इसलिए वह इन दूतों को झुंड और भेड़-बकरियों तथा अन्य प्रकार के उपहारों के साथ भेज रहा है। मेरे स्वामी एसाव को यह संदेश दे दो।

आपके सेवक याकूब की ओर से विनम्र अभिवादन। अब तक मैं चाचा लाबान के साथ रह रहा था, और अब मेरे पास गाय-बैल, गधे, भेड़-बकरी के झुंड, कई नौकर-चाकर हैं, जिनमें पुरुष और महिलाएँ दोनों शामिल हैं। मैंने अपने स्वामी को अपने आगमन की सूचना देने के लिए इन दूतों को भेजा है, इस उम्मीद में कि आप मेरे साथ दोस्ताना व्यवहार करेंगे।

मैं अमीर हूँ, एसाव, और मैं तुम्हें खरीदना चाहता हूँ। लूका 12 में यीशु के दृष्टांत के बारे में सोचो, एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जिसकी फसल बहुत अच्छी थी, और उसे पता चला कि उसके खलिहान पर्याप्त बड़े नहीं थे। तो, उसने क्या किया? उन्हें तोड़ दिया और बड़े खलिहान बनवाए।

और फिर वह अपनी आत्मा से कहता है, आत्मा, शांत हो जाओ। और परमेश्वर क्या कहता है? आज रात, तुम्हारी आत्मा तुमसे माँगी जाएगी। अब उन, उस, और इस, और जो हमने बात की है, के बारे में बताओ।

इससे आपको और मुझे क्या पता चलता है? हमारे पास जो कुछ भी है वह सब वास्तव में भगवान का है। और क्या? हाँ। हाँ।

कोई भी व्यक्ति दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता। इस रात, तुम्हारी आत्मा तुमसे माँगी जाएगी। उस आदमी ने क्या सोचा? उसकी फसल पर उसका नियंत्रण था।

लेकिन उससे भी बढ़कर, वह वही था जिसने इसे उठाया था। लेकिन उसने क्या कहा? और इसका हल कौन लेगा? मेरी आत्मा। उसने सोचा कि जब आप अपनी आत्मा के साथ व्यवहार कर रहे होते हैं, तो सांसारिक समृद्धि ही कुंजी होती है।

इस अंश की तरह, मेरे धन के साथ, वे मुझमें कोई अधर्म या पाप नहीं पाएंगे। उसने सोचा कि आत्मा के स्वास्थ्य की कुंजी पैसा है। और वह इससे चूक गया, है न? तो, आपके और मेरे लिए सवाल यह है कि मुझे लगता है कि मेरी आत्मा का स्वास्थ्य कहाँ है? मैं अपनी आत्मा को स्वस्थ बनाने के लिए क्या कर रहा हूँ? मैं डॉक्टर के पास जाता हूँ, और वह कहता है, क्या तुम व्यायाम कर रहे हो? तुम मरना नहीं चाहते? उस शरीर का व्यायाम करो।

और मैं कहता हूँ, हाँ। यह वही बात है। क्या मैं अपनी आत्मा का व्यायाम कर रहा हूँ? क्या मैं अपनी आत्मा को भोजन दे रहा हूँ? या मेरी आत्मा भूखी है क्योंकि मैं उसे कचरा खिला रहा हूँ? मेरी सारी दौलत के बावजूद, वे मुझमें कोई अधर्म या पाप नहीं पाएंगे।

हे भगवान! हे भगवान! आपके धन से वे आपमें अधर्म और पाप पाएंगे।

फिर श्लोक 9 से 13 में, मुझे लगता है कि मैंने 14 भी कहा था, आपके पास इस्राएल के जीवन की कई यादें हैं। हम याकूब के जीवन से गुजरे हैं, अब इस्राएल के अनुभव से। जब से तुम मिस्र से बाहर आए हो, तब से मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ।

वे मिस्र से बाहर लाए गए थे। श्लोक 10, या फिर श्लोक 9, तुम तम्बुओं में रहते थे। मैंने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा तुमसे बात की।

पद 13 में, वह कहता है कि मैंने इस्राएल को मिस्र से बाहर लाने के लिए एक भविष्यद्वक्ता का इस्तेमाल किया, एक भविष्यद्वक्ता के द्वारा जो उनकी देखभाल करता था। भविष्यद्वक्ताओं द्वारा बोले गए, एक भविष्यद्वक्ता द्वारा नेतृत्व किए गए, भविष्यद्वक्ताओं द्वारा देखभाल की गई। पद 11, क्या गिलाद दुष्ट है? इसके लोग बेकार हैं।

अब, गिलियड कहाँ है? गिलियड जॉर्डन नदी के पूर्वी किनारे पर है। अगर आप नक्शे को देख रहे हैं, तो जॉर्डन नदी के पूर्वी किनारे पर। याद रखें, यहीं पर इज़राइल को अपनी पहली जीत मिली थी।

यहीं पर उन्होंने सीहोन और ओग पर विजय प्राप्त की। क्या वे गिलगाल में बैलों की बलि देते हैं? उनकी वेदियाँ जुते हुए खेत पर पत्थरों के ढेर की तरह होंगी। गिलगाल के बारे में क्या? गिलगाल वह गृहस्थल था जहाँ वे भूमि प्राप्त करते समय प्रत्येक विजय के बाद वापस लौटते थे।

उन्होंने इस भूमि पर विजय प्राप्त नहीं की, बल्कि परमेश्वर ने इसे उन्हें दे दिया। इसलिए, आप उन्हें छापे मारने के लिए बाहर जाते और गिलगाल वापस आते देखते हैं। और वे पाप करने के स्थान बन गए हैं।

हमें यादें बहुत पसंद हैं। और हमारे पास उन्हें भ्रष्ट करने का एक तरीका है। याकूब अराम देश भाग गया।

इस्राएल ने पत्नी पाने के लिए सेवा की और उसका खर्च उठाने के लिए भेड़ चराई। हाँ, उसे संतान दी गई।

उन्हें एक परिवार तो मिला, लेकिन विदेशी धरती पर सेवा के ज़रिए। अब, जब आप उस सूची को देखते हैं, तो आपको कुल मिलाकर क्या लगता है? ठीक है। भगवान एक बाद की बात है।

भगवान आपकी देखभाल कर सकते हैं। और क्या? ठीक है, भगवान वफ़ादार हैं, लेकिन उन्होंने उनसे मुँह मोड़ लिया। ठीक है।

उन्हें लगा कि जब उन्हें यह दिया गया तो उन्होंने इसे ले लिया। हाँ, यह उन चीजों में से एक है जो मैं यहाँ देख रहा हूँ। वे अभिनेता नहीं हैं।

क्या आप उन सभी निष्क्रिय क्रियाओं को देखते हैं? उन्हें बाहर लाया गया था। एक सक्रिय क्रिया है, जो तंबू में रहती थी, लेकिन फिर से, भविष्यद्वक्ताओं द्वारा बोली जाती थी, भूमि दी जाती थी, संतान दी जाती थी, देखभाल की जाती थी, नेतृत्व किया जाता था। क्षणिक।

पुराने आध्यात्मिक लोग, मैं तो बस एक गरीब राहगीर हूँ। उनमें कोई स्थायित्व नहीं है। उनके पास जो कुछ भी है वह उस ईश्वर की ओर से एक उपहार है जिसने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला और उस ईश्वर को दिया जिसने उन्हें मिस्र से पहले एक राष्ट्र बनाया था।

लेकिन वे इसे नहीं समझते। और दोस्तों, हम भी नहीं समझते। यहाँ कोई स्थायित्व नहीं है।

और जब भी हम खुद को सुरक्षित और स्थायी बनाने की कोशिश करते हैं, तो यह खत्म हो जाता है। हम पूरी तरह से निर्भर हैं। फिलिप्पियों में पौलुस इसी बारे में बात कर रहा है।

उन्होंने कहा, मैंने वे सभी चीजें हासिल कीं, लेकिन वे कुछ भी नहीं थीं। एकमात्र महत्वपूर्ण बात यीशु को जानना है क्योंकि यीशु ही स्थायित्व की कुंजी है।

अब एक पल के लिए पीछे चलते हुए, आइए श्लोक 9 को देखें। मैं तुम्हें फिर से तम्बुओं में रहने दूँगा। झोपड़ियों का पर्व पतझड़ में होता था। हमारे लिए, यह लगभग पहली अक्टूबर को होता है।

यह फ़सल की कटाई का अंतिम समय था। अंगूर की फ़सल फ़सल का अंतिम समय होता है। यह वास्तव में अप्रैल से चल रहा है, जब जौ की फ़सल शुरू हुई थी।

और अंगूर की फ़सल का अंत हो गया है। और इसलिए, झोपड़ियों के पर्व में, और इसीलिए इसे झोपड़ियों का पर्व, तंबुओं का पर्व कहा जाता है। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, बचपन में जब वे शराब के पर्व के बारे में बात करते थे तो मैं बहुत परेशान हो जाता था।

हिब्रू लोगों ने शराब का उत्सव क्यों मनाया? लेकिन यह तंबू है। याद रखो, याद रखो, 40 साल तक मैंने तुम्हारी देखभाल की। 40 साल तक मैंने फसल उगाई।

आज आप खुद को बधाई दे रहे हैं कि आपने सही खेत में सही अनाज बोया और आपने कड़ी मेहनत की और आपको वह मिला और नहीं, आपको वह नहीं मिला। मैंने यह सब आपको दिया। इसे याद रखें।

और एक सप्ताह तक तंबूओं में रहते हैं। फिर, अंतिम घटना पर्व के महान दिन पर होती है, जैसा कि हम यूहन्ना के सुसमाचार में पढ़ते हैं। उन्होंने दाऊद के शहर के नीचे स्थित उस तालाब से पानी निकाला जहाँ किद्रोन घाटी और हिन्नोम घाटी मिलती हैं, वह बड़ा तालाब जिसे हिजकिय्याह ने बनवाया था।

वे उस जल को पहाड़ी पर मंदिर में ले गए और उसे उंडेल दिया, उस चट्टान को याद करते हुए जिससे रेगिस्तान में पानी निकलता था। और यह उस दिन था जब यीशु ने कहा था, तुम्हारे पेट से पानी निकलेगा - पवित्र आत्मा का जल।

यह सब कल्पना किस बारे में है? यह परमेश्वर के प्रावधान के बारे में है। अब, मैं तुम्हें फिर से तंबूओं में रहने के लिए मजबूर करने जा रहा हूँ। अब अध्याय 2, श्लोक 14 पर वापस जाएँ।

परमेश्वर ऐसा क्यों करने जा रहा है? हाँ। मैं उसे लुभाऊँगा। मैं उसे जंगल में ले जाऊँगा और उससे कोमलता से बात करूँगा।

भगवान ऐसा क्यों करने जा रहे हैं? मैं आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए आपको फिर से तंबूओं में रहने के लिए मजबूर करने जा रहा हूँ, ताकि आपको याद दिलाने की कोशिश कर सकूँ कि आपके पास कुछ भी नहीं है, कि यह सब एक उपहार है जिसे फिर से उन्मुख किया जाना है। तो, भगवान ने उन्हें इतिहास का पाठ दिया है या देने की कोशिश की है। लेकिन आपके पहले पूर्वज, याकूब के बारे में, यह सब भगवान के वादों के बारे में है।

और तुम्हें उन्हें पाने के लिए बेथेल वापस जाना पड़ा। अब, तुम बेथेल में उस सुनहरे बछड़े की पूजा कर रहे हो। तुम याकूब की संतान हो।

लेकिन मैंने हज़ारों सालों से तुम्हारी देखभाल की है। और मैं तुम्हें जंगल में, निर्वासन में ले जा रहा हूँ। लेकिन मैं तुम्हें वहाँ इसलिए नहीं ले जा रहा हूँ क्योंकि मैं तुमसे नफ़रत करता हूँ।

मैं तुम्हें वहाँ इसलिए ले जा रहा हूँ क्योंकि मैं तुमसे प्यार करता हूँ। और मेरा इरादा यह है कि निर्वासन के जंगल में तुम कहोगे, हे भगवान, हमने क्या किया है? और तुम मुझे तुम्हें गुलामी से मुक्त करके घर वापस ले जाने दोगे। सवाल? टिप्पणियाँ? अवलोकन? मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि क्या तुमने वर्तमान समय को समझा है या उस पर विश्वास किया है।

ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है। हमने झूठ को मिटा दिया है।

आज इज़राइल में वे यही मानते हैं। कोई भी ईश्वर जो हम में से छह मिलियन लोगों को ईसाई जर्मनों द्वारा मारे जाने की अनुमति देगा, मुझे उस पर विश्वास करने के लिए मत कहो। वे यही हैं।

मुझे लगता है कि आज हमारी दुनिया इसराइल जैसी है। हम भगवान से ज़्यादा धन और शक्ति को महत्व देते हैं। हाँ, हाँ।

और उसकी इच्छा। हम भगवान और उसकी इच्छा से ज़्यादा धन और शक्ति को महत्व देते हैं। इसमें कोई सवाल ही नहीं है।

इसमें कोई सवाल ही नहीं है। और जहाँ से हमने शुरुआत की थी, वहाँ वापस आने के लिए हम भगवान की सेवा नहीं करते। यही तो हो रहा है।

खैर, मैं ठीक हो रहा हूँ। मुझे भगवान की ज़रूरत नहीं है। नहीं, हम प्यार के लिए उनकी सेवा करते हैं।

क्योंकि वह ब्रह्मांड का स्वामी है और हमें अपना ब्रह्मांड देता है जिसमें हम रह सकें, समृद्ध हो सकें और प्रेम कर सकें, और हम उसकी सेवा करते हैं। हम प्रेम के लिए उसकी सेवा करते हैं।

और किसी तरह, हमने बीसवीं और तीसवीं सदी के लोगों को यह बात नहीं बताई। और वे कह रहे हैं, मैं भगवान के बिना ठीक से काम चला रहा हूँ। मुझे उनकी ज़रूरत नहीं है।

खैर, भगवान धैर्यवान है। और भगवान की चक्कियाँ बहुत धीरे-धीरे पीसती हैं। लेकिन वे बहुत बारीक पीसती हैं।

और यह उसी संदर्भ में है। हाँ। और कुछ? बिल्कुल।

बिल्कुल सही। हाँ। भगवान ने हाल ही में मेरे लिए क्या किया है? अब, मुझे कहना है, और यह ओसवाल्ड बोल रहा है, और ओसवाल्ड पहले भी गलत हो चुका है।

हमने नब्बे और शून्य के दशक में युवा मंत्रालय पर लाखों खर्च किए। ये वे लोग हैं जो छोड़ रहे हैं। हमने एक वैकल्पिक चर्च बनाया जो मज़ेदार और रोमांचक था।

और अब हम लोगों को चर्च में आने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह युवा समूह की तरह नहीं है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि जो कुछ हुआ है, उसका एक बड़ा कारण यही है।

हमने उन्हें इस बात के लिए तैयार नहीं किया है कि ईसाई जीवन कुल मिलाकर मज़ेदार और रोमांचक नहीं है। ईसाई जीवन उसी दिशा में एक लंबी यात्रा है। द्वार संकरा है और सड़क खड़ी है।

खैर, यह कोई मज़ाक नहीं है। यह कोई अति नहीं है। जॉन बन्यन ने सही कहा था। यह एक तीर्थयात्रा है। और इसका मतलब है हर दिन एक पैर दूसरे के सामने रखना। वाह।

तो, यह मैं ही कह रहा हूँ। और अगर मैं स्वर्ग पहुँच जाऊँ और भगवान कहे, बेटा, तुम वह चूक गए, तो मैं कहूँगा, हाँ, सर।

चलो प्रार्थना करते हैं।

प्रभु यीशु, हम स्वीकार करते हैं कि हमारे पास जो कुछ भी है वह एक उपहार है। आपने हमें जन्म दिया है। आपने हमें यह अद्भुत देश दिया है, जिसमें अद्भुत ईसाई विरासत है।

धन्यवाद। आपकी स्तुति। हे प्रभु, हमारी सहायता करें कि हम इस सोच के जाल में न फँसें कि धन, शक्ति, सुरक्षा और आराम ही हमारी आत्मा की ज़रूरत है।

हे प्रभु, हमारी मदद करें कि हम अपनी आत्माओं को आप में पोषित करने पर उचित ध्यान दें। धन्यवाद। आपके नाम में, आमीन।